

“राजभाषा कार्यान्वयन : समस्या एवं समाधान” विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई में दिनांक 28 जून 2024 को संस्थान के निदेशक/कुलपति डॉ. रविशंकर, सी. एन. की अध्यक्षता में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु “राजभाषा कार्यान्वयन : समस्या एवं समाधान” विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमती सीमा चोपड़ा, पूर्व निदेशक (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. एन.के. साहू ने अपने विशेष उद्बोधन में कहा कि भाषा ही ऐसा माध्यम है जो एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से जोड़ता है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर जरूरत हो तो व्यक्ति कोई भी भाषा सीख सकता है। सरकार द्वारा हिन्दी भाषा के विकास के लिए कई पुरस्कार योजनाएँ चलाई जा रही हैं। अतः संस्थान के सभी कर्मचारियों से अनुरोध है कार्यालयीन कार्य में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

संस्थान के निदेशक/कुलपति महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिन्दी भाषा कोई कठिन भाषा नहीं है। उसे सहजता एवं सरलता से सीखा जा सकता है। केवल सीखने और कार्य करने की इच्छा होनी चाहिए। यह हमारा दायित्व है कि हम हिन्दी में कार्य करें और राजभाषा नीतियों का पालन करें। केवल हिन्दी अनुभाग के कार्य करने से हिन्दी आगे नहीं बढ़ेगी। हम सबको मिलकर यह कार्य करना होगा, तभी संस्थान में हिन्दी का विकास होगा। हम सभी के सहयोग से संस्थान में हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति होगी।

तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा चोपड़ा ने “राजभाषा कार्यान्वयन – समस्या एवं समाधान” विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि हिन्दी सरल एवं बोलने तथा काम करने में आसान भाषा है। इस भाषा में संप्रेषण करना आसान है। जिस तल्लीनता से हम विदेशी भाषा को सीखते हैं, हमारा प्रयास होना चाहिए कि उसी तल्लीनता से हम भारतीय भाषाओं को भी सीखें। इस दिशा में हमारी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। हमें राजभाषा के विकास के लिए भारत की सभी क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत से हुआ। तत्पश्चात् श्री जगदीशन, ए. के. संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा मुख्य अतिथि का परिचय दिया। श्री प्रतापकुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी के धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला में 24 अधिकारियों एवं 15 कर्मचारियों सहित कुल 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Organized a Hindi Workshop on “Official Language Implementation: Problems and Solutions”

ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai organized a Hindi workshop on "Official Language Implementation: Problems and Solutions" for the scientists, officers and employees of the institute under the chairmanship of the Director/Vice Chancellor Dr. Ravi Shankar, C.N. on 28 June 2024, in which Mrs. Seema Chopra, Former Director (OL), Indian Council of Agricultural Research, New Delhi delivered a lecture on the topic.

On this occasion, Dr. N.K. Sahu, Joint Director of the Institute said that language is the only medium that connects one person to another. It means that if needed, a person can learn any language. Many award schemes are being run by the government for the development of Hindi language. Therefore, all the employees of the Institute are requested to use Hindi as much as possible in official work.

In his presidential address, Dr. Ravi Shankar, C.N., Director/Vice Chancellor said that Hindi is not a difficult language. It can be learned easily. It is only needed that one should have the desire to learn and work. It is our responsibility to work in Hindi and follow the Official Language policies. Hindi will not progress without the efforts of all of us. It is not the duty of the Hindi section only. We all have to work together, then only Hindi will progress in the Institute. With the cooperation of all of us, Hindi will progress successively in the Institute.

Thereafter, the Chief Guest, Mrs. Seema Chopra delivered a lecture on "Implementation of Official Language – Problems and Solutions", in which she mentioned the constitutional provisions of the Official Language in detail. She further said that Hindi is a simple and easy language to speak and work. It is easy to communicate in this language. We should try to learn Indian languages with the same dedication with which we learn foreign languages. In this direction, our mind-set needs to be changed. We should adopt words from all regional languages of India for the development of Official Language Hindi. In this occasion, she also cleared the doubts of the participants.

At the outset, the programme started with the ICAR Song. Thereafter, Shri Jagadeesan, A.K., Joint Director (OL) welcomed all the participants and introduced the Chief Guest to the audience. Shri Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer presented the vote of thanks.

A total of 49 participants including 24 officers and 15 employees participated in this workshop.

